

# BFC PUBLICATIONS PVT. LTD.

## Personal Details

Author Name	AJAY KUMAR YADAV & DURGESH KURMI
Father Name	SHRI KRISHNA YADAV
Date of Birth	1994-08-10
Contact No	9548349732
Alternate contact no.	6395016236
e-mail ID	yajay5511@gmail.com
Nominee Name	SANJAY KUMAR YADAV
Correspondence Address :	FLAT NO. 102 SARTHAK APARTMENT, NEW RANIBAGH, LIMBODI
Landmark	MAHADEV TEMPLE
City	INDORE
State	Madhya Pradesh
Pin Code	452020
Country	India

## BANK DETAILS

Account holder's name	AJAY KUMAR YADAV
Account No.	3111000100312434
Bank Name	PUNJAB NATIONAL BANK

Branch	SHIKOHABAD
IFSC Code	PUNB0311100
Pan No.	ALHPY2828A

### Book Details

Book Title	शोध के आधारभूत सद्धिधलत
How would you like your name to appear on book?	अजय कुडरलर डरदव ँवं दुरगेश कुरडी
Manuscript Language	Hindi
Book Genre	Academics
Number of images (If any)	9
Manuscript Status	Completed
Book Size	6"x9"

### Cover details

## Synopsis

प्रस्तावित पुस्तक में अनुसंधान एवं भूगोल में अनुसंधान को प्रस्तावित किया गया है। शोध का अर्थ किसी सामाजिक समस्या को सुलझाने या किसी उपकल्पना का परीक्षण करने, नवीन घटनाओं को खोजने या कुछ घटनाओं के बीच नवीन सम्बंधों को ढूँढने के उद्देश्य से किसी यथार्थ पद्धति का उपयोग है। यह यथार्थ पद्धति इस प्रकार होनी चाहिए जो कि वैज्ञानिक विधियों पर आधारित हो। अनुसंधान नवीन ज्ञान प्राप्त करने हेतु एक व्यवस्थित प्रयास है। अनुसंधान नवीन सूचनाओं या सम्बंधों की खोज हेतु सावधानीपूर्वक किया गया शोध व जाँच-पड़ताल है, जो विद्यमान ज्ञान में अभिवृद्धि करती है तथा उसे सत्यापित करती है। इस हेतु विभिन्न विधियों का प्रयोग किया जाता है, जिसका समग्र वर्णन इस पुस्तक में किया गया है।

साथ ही भौगोलिक अनुसंधान को प्रस्तावित किया गया है। भौगोलिक यथार्थता का अध्ययन, विभिन्न भूदृश्यों के विविध पक्षों, घटनाओं – परघटनाओं के अंतर सम्बंधित प्रक्रियाओं के व्यवस्थित अध्ययन और विश्लेषण को शोध या अन्वेषण कहते हैं। इस प्रकार के तार्किक एवं व्यवस्थित अध्ययन व अनुसंधान तदन्तर सिद्धांत निर्माण की ओर ले जाते हैं। वर्तमान समय में भौगोलिक अध्ययन की विषयवस्तु भूगोल के अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का प्रबन्धन, पर्यावरण प्रबन्धन, आर्थिक संरचना संबंधी नियोजन, प्रादेशिक योजना एवं विकास, शहरी नियोजन समाज और आर्थिक विकास के बीच संबंधों का विश्लेषण आदि के क्षेत्र में शोध या अनुसंधान किया जाता है।

विभिन्न अनुसंधान के लिए शोध परिकल्पना का होना अति आवश्यक है। परिकल्पना किसी भी अनुसंधान प्रक्रिया का महत्वपूर्ण स्तम्भ है। इसका तात्पर्य यह है कि किसी समस्या के विश्लेषण और परिभाषीकरण के पश्चात् उसमें कारणों तथा कार्य कारण सम्बन्ध में पूर्व चिन्तन कर लिया गया है, अर्थात् अमुक समस्या का यह कारण हो सकता है, यह निश्चित करने के पश्चात् उसका परीक्षण प्रारम्भ हो जाता है।

व्यवहार विज्ञानों के क्षेत्र में अनेक ऐसे महत्वपूर्ण अनुसंधान सम्पन्न होते हैं जो इकाइयों के एक छोटे समूह पर किये जाते हैं, परन्तु उस पर आधारित निष्कर्ष इकाइयों की वृहद समष्टि पर भी लागू माने जाते हैं। अनेक कारणों से वृहद समष्टि की सभी इकाइयों का अध्ययन करना प्रायः सम्भव नहीं होता। इसी क्रम में इस पुस्तक में अनुसंधान के अन्तर्गत आँकड़ों को इकट्ठा करना, प्रदर्शित करना व विश्लेषण करके निष्कर्ष निकाला सम्मिलित है। विभिन्न स्रोतों से एकत्रित आँकड़ों का विश्लेषण कर उन्हें दृश्य स्वरूप प्रदान करना महत्वपूर्ण होता है। यह आँकड़े समय

## Blurb

अनुसंधानकर्ताओं और अनुसन्धान से सम्बंधित पाठकों के के समक्ष इस पुस्तक को प्रस्तुत करते हुये मुझे अपार हर्ष हो रहा है। यह पुस्तक उन अभ्यर्थियों एवं पाठकों की बढ़ती हुयी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के उद्देश्य से लिखी गयी है, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा और असिस्टेंट प्रोफ़ेसर के लिए अनिवार्य अर्हता के लिए की जाने वाली जूनियर रिसर्च फेलोशिप एवं राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, विश्वविद्यालयों में होने वाली पीएच. डी. प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। साथ ही साथ यह पुस्तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित भूगोल विषय के स्नातकोत्तर (एम.ए. उत्तरार्ध) के अनिवार्य प्रश्नपत्र "भूगोल में शोध प्रवर्धि" के नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुरूप लिखी गई है। पुस्तक लिखते समय इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया है कि यह प्रतियोगी परीक्षा के पाठ्यक्रम के अनुरूप हो। प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थियों के समय की उपलब्धता को ध्यान में रखकर पुस्तक को परीक्षा अनुरूपी बनाने हेतु गागर में सागर भरने का प्रयास किया गया है। पुस्तक की भाषा सरल एवं बोधगम्य रखी गई है ताकि सामान्य छात्र भी आसानी से विषय को समझ सकें। साथ ही पुस्तक में यथासंभव भूगोल से संबंधित उदाहरणों को सम्मिलित करने का प्रयास किया गया है। उम्मीद है कि पुस्तक भूगोल विषय के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के साथ-साथ अन्य विषयों के लिए भी समान रूप से उपयोगी सिद्ध होगी।

**Author  
Bio**

प्रथम लेखक-

अजय कुमार यादव, (एम.ए, नेट- जे.आर.एफ), सीनियर रिसर्च फेलो, देवी अहल्या  
वशिवदियालय, इंदौर

द्वितीय लेखक -

दुर्गेश कुर्मी, (एम.ए, नेट- जे.आर.एफ), असिस्टेंट प्रोफेसर, शासकीय स्नातकोत्तर  
महाविद्यालय, दामोह